YOUTH SERVICES be pleased to state whether responsibility has been fixed for the infructuous expenditure of Rs. 72 lakhs on the Coal gasification plant, without reference to the existing plant at Dhanbad and without considering the kind of gas to be produced?

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO): The decisions of the Governing Body of the Council of Scientific and Industrial Research (C. S. I. R.) on the Coal Gasification Plant of the Regional Research Laboratory, Hyderabad are in the process of implementation. An investigation, if required, will be made to find out whether any responsibility is to be fixed.

Low Shaft, Pig Iron Pilot Plant, Jamshedpur

5292. SHRI LOBO PRABHU: Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state the reasons why investigation was not ordered till March, 1969 in the poor performance of the Low Shaft Pig Iron Pilot Plant at Jamshedpur on which Rs. 131 lakhs had been spent and only 3965 tonnes of pig iron has been sold at Rs. 310 per tonne?

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO): The Low Shaft Furnance Pilot Plant at the National Metallurgical Laboratory, Jamshedpur is an experimental plant which was set up to assess the possibilities of making commercial grade pig iron with inferior grades of raw materials and it is not run on a commercial scale producing pig iron primarily for sale. It would not, therefore, be appropriate to evaluate the total tonnage of pig iron produced as the experimental plant is not run continuously round the clock.

हिन्दी आशु लिपिकों की भर्ती

5293. श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार हिन्दी आशुलिपिकों का नई भर्ती पर रोक हटाने तथा उन निम्न श्रेणी के लिपिकों को हिन्दी आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्त करने का है जिन्होंने आशुलेखन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है ;

(ख) यदि नहीं, तो उन मंत्रालयों का नाम क्या है जहां हिन्दी आशुलेखन में प्रशिक्षण प्राप्त निम्न श्रेणी लिपिकों से हिन्दी आशुलेखन का कार्य लिया जा रहा है ; और

(ग) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रशिक्षित हिन्दी आशुलिपिकों के लिये कोई प्रतियोगी-परीक्षा आयोजित न करने के क्या कारण हैं जबकि केन्द्र सरकार में हिन्दी के प्रयोग का कार्य बहुत बढ़ गया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) से (ग). उन निम्न श्रेणी लिपिकों को आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त करने का कोई प्रस्ताव नहीं है जिन्होंने हिन्दी आशुलेखन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। साधारणतया निम्न श्रेणी के लिपिक हिन्दी आशुलेखन में प्रशिक्षण के पात्र नहीं है। केवल ऐसे निम्न श्रेणी के लिपिकों को हिन्दी आशुलेखन के प्रशिक्षण में दाखिला दिया जाता है जिन के सम्बन्ध में विभाग कार्यालय यह प्रमाणित करता है कि हिन्दी आशुलेखन में उनकी दक्षता के उपयोग किये जाने की सम्भावना है। ऐसे प्रशिक्षण से निम्न श्रेणी के लिपिक स्टेनो-टाईपिस्टों के पद पर भी आसीन हो सकते हैं।

उन निम्न श्रेणी के लिपिकों से, जिन्होंने हिन्दी आशुलेखन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रखा